भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् में हिंदी कार्यशाला का आयोजन

भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् में दिनांक 01 सितंबर 2022 को 'कार्यालयीन हिंदी का स्वरूप' विषय पर भा.वा.अ.शि.प. सभागार में एक हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। डॉ. गीता जोशी, स.म.नि. (मी.व वि.) ने कार्यशाला का शुभारंभ किया। इस अवसर पर विषय विशेषज्ञ के रूप में श्री एम.एन.भट्ट, प्रबंधक (राजभाषा), सेवानिवृत्त को आमंत्रित किया गया था। श्री भट्ट ने सहायक महानिदेशक महोदया को एक पुस्तक 'आओ चलें बापू के संग' भेंट की। उन्होंने अधिकारियों एवं कार्मिकों को राजभाषा हिंदी के कार्यालयीन स्वरूप एवं इसके प्रयोग के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दी। सर्वप्रथम उन्होंने कार्यशाला में प्रतिभाग कर रहे कार्मिकों से संवाद स्थापित करते हुए राजभाषा हिंदी के बारे में बहुत सी मूलभूत जानकारियों से अवगत कराया। हिंदी के प्रयोग में आ रही कठिनाइयों को दूर करने के बारे में उन्होंने कहा कि स्व प्रेरणा से राजभाषा हिंदी के कार्यालयीन प्रयोग को निश्चित ही बढ़ाया जा सकता है। उन्होंने सुझाव दिया कि राजभाषा हिंदी प्रशिक्षण कार्यशालाओं में सभी अधिकारियों एवं कार्मिकों को प्रतिभाग करना चाहिए ताकि कार्यालयीन हिंदी के स्वरूप को समझने एवं उसके प्रगामी प्रयोग को बढ़ाने में मदद मिले। उन्होंने अधिकारियों एवं कार्मिको को सुरूचिपूर्ण ढंग से हिंदी के टिप्पण एवं प्रारूपण (नोटिंग एवं ड्राफ्टिंग) के बारे में जानकारी प्रदान की। कार्यशाला का संचालन श्री शंकर शर्मा, सहायक निदेशक (राजभाषा) ने किया। कार्यशाला के अंत में श्री शंकर शर्मा, सहायक निदेशक (राजभाषा) ने विषय विशेषज्ञ श्री एम.एन.भट्ट एवं सभी प्रतिभागियों का धन्यवाद ज्ञापन किया।

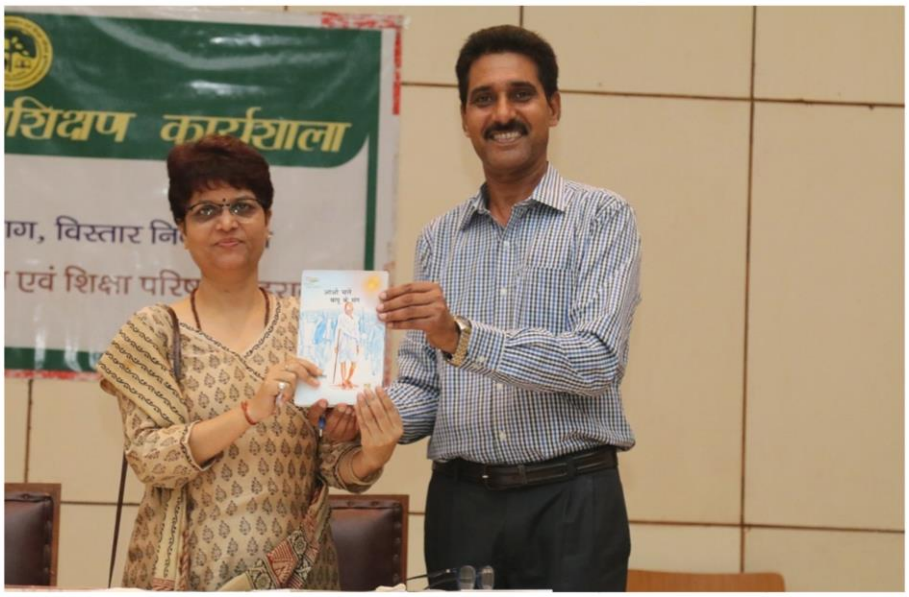
शिक्षण कार्यशाला

राजभाषा हिंदी प्रशिक्षण कार्यशाला
EXIT